

तुबारि संपादकीय
टीम

◆अस इ उम्मिद करं लगे से कि एण बाड़े दिन अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

◆इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एकट अन्तर रिजिट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पढ़ू जे इ पत्रिका शुरु किओ सि।

◆तुबारि एक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

◆तुबारि पत्रिका कोइ मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गल्लि कहेण जे नेई छपाण लगे। अगर कोइ ई सोचता बि त अस जिम्मेवार नेई।

◆छपाणे पेहले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेहिल बार पांगवाडि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोइ लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

◆आर्टिकलस ना मिलए, या घाटि मेहणु के मदद ना मिलए त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकति।

◆कोइ चिज छपां सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीम पुरा अधिकार असा।

◆अस सोभि पांगि मेहणु जे हात जोड कई निवेदन कते कि, तुस बि कोइ अछा आर्टिकल, पुराणि या नौइ कथा, कहावत, कविता, त नौवे धीत (पांगवाडी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंचदे दिए।

◆अस किलाड केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भैड हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपु सझाव ओर आर्टिकलस रखुं जे सुविधा किओ असि।

तुबारि संपादकीय टीम

☎ 9418431531

☎ 9418429574

☎ 9418329200

☎ 9418411199

☎ 9418411599

फलता फूलता समाज

एचेल समाचार पत्र अन्तर अमेरिका केआं रिटायर भो 60 साले एक खरबपति डाक्टरे बारे छप्पो थिउ। से केरला एक ग्रांए थिआ। तेठि बड़आ हसताइ बणा जे तेनि अपु पुरि दौलत तेठियेणी मेहणु के नऊं कई छई। जिखेई तेस केआं पुछु कि तेन्हि ई किस किऊ। त तेनि बोलु कि तेसे जवानि रोजि अन्तर तेसे जिन्दगी बेहतर बणा जे तेस ग्रांए मेहणु सुआ मदद किओ थी।

हैं समाज शारीरिक सुन्दरता सुआ महत्व देन्ता। इस पीढ़ी अन्तर सोबि केआं बड़िया चीज स्टाइल असि। असि बुच सुआ मेहणु इ परबाह न कते कि अस सफल असे कि नेई। पर अस सोब सफल लगण चाहते। अस बड़िया मोबाइल चलान्ते। मेंहगे झणे लान्ते। होरे खरि चीजी के इस्तेमाल कते, तऊं अपेप जे बोते हैं सफल लगुउं जरुरी असु, एस बोक केआं केसे कि लोतु कि सच्चे मैं जिन्दगी कि असि।

सुआ मेहणु दौलत सफलताई निशाणि मनते। तुस अमीर भोल तऊं बि जिन्दगी अन्तर सफल भोई सकते। तुसि केई जे दौलत असि, भोई सकतु से तुसि विरासत अन्तर मेओ भोल। इस जे न कि तुस अपु कम अन्तर सुआ बड़िया असे। अस ज्यादातर ई मेहणु के बारे पढ़ते, ई मेहणु जुओई मीते जे ज्यादा केआं ज्यादा पैसे कमन्ते पर जिन्दगी घट केआं घट मजे नेण लगोसे। शायद तुसि बुचा कुछ मेहणु ई सोचते भोल कि तुसि केई करोड़ो रुपेई भुन्तेथ त अऊं केदि कम न कतथा। तऊं त ईश्वरे तुन्धे सुआ रुपेई न दिते। कम कते रेहणे बोलि अस अपु जिन्दगी बड़िया उपयोग कते होर समाज अन्तर मदद देन्ते।

सफलताई असली मतलब ई पता लाण भो कि ईश्वरे तुस एक अनोखे मकस्दे लिए बणो असे। कोई बि पेशा या व्यवसाय जे सिद स्वकेन्द्रित या अपु लाभ भून्ता से सुआ टेम तक सफल न रेहन्ता। असि अपु व्यवसाय बठ केन्द्रित या होरि मदद करं जे समाज सेवक बढ़णे जरुरत नेई। बल्कि इ असु कि, अस कि कम कते त अपु मुनाफे/लाभ की इस्तेमाल कते। कैसे बि व्यवसाय सफलता मेहणु के जरुरत पुरि करं अन्तर असि। अपु भेडि बई जरुरत जाणि दिए त तेन्हि पुरा करणे तरीके तोपे। सफलताई राज होरि के मदद करं अन्तर असा। होरि के सहानुभूति त सहायता बगेर सफलता न मेति। जे सफलता सिर्फ स्वार्थ पुरा करियेल से सही सफलता न भो, सही सफलता से भो जे सोबि के कम एइयेल।

दुनिया अन्तर जत बि सफल व्यवसाय असा से समाजे मददे बोलि सफल भो असा। कुछ व्यवसायी कोसे बि कीमत पुठ पैसा कमां चाहते। से गभुरु कम पुठ रखते त तेन्हि केआं गुलामी के ई कम करान्ते। कोई बि समाज जे सहानुभूति त सेवा ई सिध्दांती के मार्गदर्शन पुठ हंटता सेइयें फलता फूलता।(अनुवादिक आर्टिकल) – शुभम।



सफलताई असली मतलब ई पता लाण भो कि ईश्वरे तुस एक अनोखे मकस्दे लिए बणो असे।

यक जिमदार थिआ। तसे यक स्याणा खेचरा थिआ। यक रोज से खेचरा बग चरूं जे गा त तठि यक शुखो कुएं अन्तर झाड़ि गा। से बचारा लियेरी देन्ता रेहा। पता, तसे लियारी शुण कइ जिमदार तठि आ। से खचरे त कुएं हाल हेरता। तेस लगतु कि से स्याणा खेचरा त शुखो कुआं बचुणे लायक नेई। त से अपु कम बाड़ि भिएन्ता त बोता कि इस कुएं अन्तर खेचरे बि पथि छाड़े। एस स्याणे खेचरे किडि कइ कोई फईदा नेई। एस शुण कइ बिचारे खचरे मांस झड़ी घेन्तु। से अपफ जे बोता “हेर जेसे समान डिल डिल कइ मेई अपु सारी जिन्देगीं घेण दिती से में बारे कि सोचता”।

पता कम बाड़े तस कुएं अन्तर जन फटाण लगते। से अपु मन मारी कइ खाड़ि भुन्ता। त से जन त मठुड़ मठुड़ घोड़ तस खेचरे पुठ लगती। से अपु पिठ हिलान्ता रेहन्ता त सोब जन बि झाड़ता। पर पता धिक तसे मन अन्तर इ ख्याल एन्ता कि जपल बि कम बाड़े जन फटान्ते त से अपु पिठ हिलाई कइ से जन भीं झड़ाण त यक कदम पुठे करूं सा। त से तीं कता रेहा। कुछ टेम बाद तेस लगतु कि अंऊ खरा खाड़िआ एई गो असा। त से अपफ जे बोता रेहा कि “हिलाण दे त अपु खुर खाड़िआ कर”। बस, ई कते कते कुछ देर पता से कुएं कियां पुरे खड़िआ एई गा त हन्त कइ बग जे गा।



कम बाड़ि त कुछ अजीब न लगु पर से जिमदार सोचता कि “हेर! मनचा, मेई एस खेचरे मारणे सिकिम लोओ थी। पर एन खेचरे में बोक पुठ ध्यान न दिता। से इ सोच कइ चुपचाप न बिशा कि में मालिक त मोउं मारणे मन किओ सा, अब अउं जीं कइ बि की कता। से बस् अपु पिठ हिलान्ता रेहा त अपु खुर खाड़िआ कता रेहा। ई कइ कइ से अपु मुसिबत केआं बचा।

जिन्देगीं अन्तर बि असी केति मुसिबत एन्ति। कते मेहणु अस घटाणे बोक कते। त असी तन्के बोक पुठ ध्यान न दी कइ तसी अपु मन केआं दूर करूं त अपु कम पुठ ध्यान देण। तउं अस बि अपु मुसिबत केआं बच सकते।

यक फेरि यक कबडी खिलाड़ी अपु ईआ जे बोता.....

By Shubham



ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 📞 9418429574

खाने दुवांइ नेणे वक्त एक्सपाईरि डेट हेरूं जरूरी असी।

ट्यारे पंगेई मेहणुओ, खाने दुवांइ नेणे वक्त अस यक चिज पुठ ध्यान रखुणे जरूरी असी। दवखाना या हस्ताइ कैआं दुवांइ नेणे टेम, दुवांइ किखेइं बणोसे डेट, त दुवांइ किखेइं एक्सपाईरि भुणे डेट पुठ पक्का ध्यान रखे। (एक्सपाईरि भुणे डेट - दुवांइ काम करणे गुण खतम भुणे टेम) टिकि पत्ते पतुं, पिणे दुवांइ बोतुल पुठ, सुयि दुवाइ बोतुल पुठ बि ई सोब छपो भुन्तु। एक्सपाईरि दुवांइ खाणे बोली, बिमारी ठीक न भुन्ति, त होरा रियाकषन बि भोइ सकता। रियाकषने बोलि पुरा जिशम कशीण लगता, दिल घबराण, चक्कर एण बगैरा बगैरा नुकसान भुन्ति, त कदि-कदि मेहणु मर बि सकते। इस जुए, एक्सपाईरी डेट पुठ नजर रख कइ तस दुवांइ न खायेल, असी कोई नुकसान न भुन्ता। अगर हस्ताइ अन्तर एक्सपाईरी दुवांइ देयाल, त डाक्टर साब जे बोलि कई होरे दुवांइ नेण।

